

শ্রীঃ
শ্রীমতে নিগমান্তমহাদেশিকায় নমঃ
শ্রীমান্ বেক্টনাথার্যঃ করিতাকিঁককেসরী।
বেদান্তাচার্যরর্যো মে সন্নিধত্তাং সদা হৃদি ॥

শ্রী মেল্পপত্তূর্ নারায়ণভট্টতিরি ঝিরচিতম্
॥শ্রীমন্নারায়ণীয়ম্ ॥

দশক - ৬৭

This document has been prepared by*
Sunder Kidambi
with the blessings of
শ্রী রঙ্গরামানুজ মহাদেশিকন্
His Holiness śrīmad āṇḍavan of śrīraṅgam

*This was typeset using Bengali for T_EX.

श्रीः
श्रीमते कृष्णाय परब्रह्मणे नमः
श्रीमते रामानुजाय नमः

॥ श्रीमन्नारायणीयम् ॥

दशक - ७९

रासक्रीडायां भगवतस्तिरोभावरर्गनं
भगवदन्वेषणर्गनं भगवदारिर्भावरर्गनं च

स्फुरतपरानन्दरसात्मकेन
त्वया समासादितभोगलीलाः ।
असीममानन्दभरं प्रपन्ना
महान्तमापुर्मदमश्रुजान्म्यः ॥ १ ॥

निलीयतेसौ मयि मय्यामायं
रमापतिर्बिभ्रमनोभिरामः ।
इति स्म सर्वाः कलिताभिमाना
निरीक्ष्य गोविन्द तिरोहितोभूः ॥ २ ॥

राधाभिधां तरदजातगर्भा-
मतिप्रियां गोपबधूं मुरारे ।
भवानुपादाय गतो रिदूरं
तया सह स्वैरिहारकारी ॥ ३ ॥

तिरोहितेथ त्वयि जाततापाः
समं समेताः कमलायतान्म्यः ।
बने बने त्वां परिमार्ग्यन्त्या
विषादमापुर्भगवन्नपारम् ॥ ४ ॥

हा चूत हा चम्पक कर्णिकार
हा मल्लिके मालति बालबल्यः ।
किं वीक्षितो नो हृदयैकचोरः
इत्यादि तासुवतप्रवणा विलेपुः ॥ ५ ॥

নিরীক্ষিতোযং সখি পঙ্কজাক্ষঃ
 পুরো মমেত্যাকুলমালপন্তী।
 ত্বাং ভারনাচক্ষুষি বীক্ষ্য কাচিত
 তাপং সখীনাং দ্বিগুণীচকার ॥ ৬ ॥

ত্বদান্নিকাস্তা যমুনাতটান্তে
 তরানুচক্রুঃ কিল চেষ্টিতানি।
 বিচিত্ত ভূয়োপি তথৈব মানাত
 ত্বয়া বিমুক্তাং দদৃশুশ্চ রাধাম্ ॥ ৭ ॥

ততঃ সমং তা বিপিনে সমন্তাত
 তমোরতারাবধি মার্গযন্ত্যঃ।
 পুনরিমিশ্রা যমুনাতটান্তে
 ভ্ৰশং বিলেপুশ্চ জগুর্গুণাংস্তে ॥ ৮ ॥

তথা ব্যথাসঙ্কুলমানসানাং
 ব্রজাঙগনানাং করুণৈকসিন্ধো।
 জগত্ত্রয়ীমোহনমোহনাত্মা
 ত্বং প্রাদুরাসীরযি মন্দহাসী ॥ ৯ ॥

সন্দিগ্ধসন্দর্শনমাত্মকান্তং
 ত্বাং বীক্ষ্য তন্যঃ সহসা তদানীম্।
 কিং কিং ন চক্রুঃ প্রমদাতিভারাত
 স ত্বং গদাত্ পালয় মারুতেশ ॥ ১০ ॥
